ST. LAWRENCE HIGH SCHOOL

A JESUIT CHRISTIAN MINORITY INSTITUTION

CLASS: 6

SUBJECT :STUDY MATERIAL

DATE : 04.05.20

कविता -जय भू भारती

कवि -गुमनाम

कवि ने अपने इस कविता के माध्यम से राष्ट्र वंदना की है , वे कहते हैं कि सुन्दत भारत -भूमि महापुरुषों की जननी है। सभी का पाला -पोषण करने वाली भारत -भूमि के निवासी तन -मन से भारतीय हैं।

<u>छंदों की व्याख्या</u> :

1.जय -जय .....आरती।

उपर्युक्त छंदों के माध्यम से कवि ने भारत माता का गुणगान करते हुए उनकी आरती उतारी है। भारत माता का जयकारा करते हुए उनकी वंदना करते हैं।

2.हिमगिरी है ..... चरण पखारती।

उपर्युक्त पंक्तियो में कवि कहते हैं कि जिस भारत माता का मुकुट विशाल हिमालय पर्वत है जो एक पहरेदार की भांति अटल खड़ा है और जहाँ हीन्द महा सागर भारत माता के पैरों को अपनी शीतल जल धरा से धोती हैं उस भारत माता को वो नमन करते हैं।

3.गंगा , यमुना .....उछाले मारती।

उपर्युक्त पंक्तियों में कवि कहते हैं कि जिस भूमि पर गंगा ,यमुना , कृष्णा और कावेरी जैसी पावन नदीयों ने वापने पावन और शीतल जल से भारतीय संस्कृति को सींचा है और इन नदियों के ऊपर बहने वाली स्वंतत्र हवाओं के झोकें मानो सभी भारत माता को अपना धन्यवाद दे रहे।

4.राम , कृष्ण .....सुन्दरम उच्चारती।

उपर्युक्त पंक्तियों में कवि कहते हैं कि जिस भारत भूमि ने राम , कृष्ण तथा गौतम बुध्ह जैसे महामानवों को जन्म दिया और जहां सत्य को सर्वप्रथम स्थान दिया गया है वही संस्कृति शुभ और सर्व सुन्दर है ऐसी माटी को कवि धन्यवाद देते नहीं थकते हैं।

5.सब शरणागत .....न जानती ।

इन पंक्तियों के माध्यम से कवि कहते हैं कि भले ही भारत में अनेको धर्म और जाति के लोग रहते हों , वे अलग -अलग भाषाएं बोलते हों परन्तु माँ भारती अपनी संतानों को एक सामान मानती हैं। उनकी शरण में आये किसी भी व्यक्ति के साथ वे किसी भी प्रकार का भेद भाव नहीं करती हैं।

6 .हो अन्नदा .....ही पालती ।

इन पंक्तियों के माध्यम से कवि हमसे कहते हैं कि चाहे वह हमारा पेट भरने के लिए अन्न हो तथा हमारी सुख- समृद्धि के लिए धन हो माँ भारती हम सभी की पालनहार हैं।

7 .हम रंग .....से भारती।

उपर्युक्त पंक्तियों में कवि कहते हैं कि प्रत्येक भारती चाहे किसी भी जाति का हो किसी भी धर्म का हो ,कोई भी भाषा बोलता हो सभी बातों का सार यह है कि हम भारतीय हैं और यही हमारी पहचान है I

<u>लघु प्रश्न -उत्तर</u>

1. कविता में कवि किसकी वंदना कर रहे हैं ?

कवि ने अपनी कविता के माध्यम से भारत माता की वंदना की है ,यह सुन्दर भूमि महापुरुषों की जननी है और यहाँ निवास करने वाला हर एक इंसान तन और मन से भारतीय है I

2. कवि ने हिमालय पर्वत को क्या कहा है ?

कवि ने हिमालय पर्वत को भारत माता का मुकुट कहा हैI जिस तरह एक माँ अपने बच्चों की रक्षा करती है थी उसी प्रकार अटल विशाल हिमालय ने हम भारतियों की रक्षा एक पहरेदार की भांति की है I

3. भारत भूमि पर कौन कौन सी नदियाँ बहती हैं ?

भारत की पावन धरती पर गंगा ,यौन ,कृष्ण ,कावेरी जैसी नदिया बहती हैं और भारतियों को तृप्त करती हैं I

4. भारत भूमि पर किसकी गूँज होती रहती है ?

भारत भूमि पर केवल सत्य की ही गूँज रहती है। ऐसा इसलिए है कि भारत में सदा से ही सत्य को ही परम माना गया है जो सदैव शुभ और सर्व सुन्दर रहता है।

5.हम भारतीय तन -मन से कैसे हैं ?

हम भारतियों में चाहे कितनी भी धर्म , जात -पात , भाषाओं में भिन्नता हो किन्तु तन और मन से हम हमेशा भारतीय ही रहेंगे और यही हमारी पहचान है।

<u>शब्द -अर्थ</u>

भू -भूमि

हिमगिरी -हिमालय पर्वत

सागर - समुद्र

शिवम् -शुभ

धन्नदा -धन देने वाली

- MANISHA YADAV